[illegible] Page Copy [illegible] Front Black

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

B.S.E.R. K

क्रम संख्या 5375036

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☑

विषय Sanskrit

परीक्षा का दिन Wed Friday

दिनांक 4-04-2025

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	17	19	03
2	05	20	
3	08	21	
4	02	22	
5	02	23	
6	02	24	
7	02	25	
8	02	26	
9	02	27	
10	02	28	
11	05	29	
12	05	30	
13	05	31	
14	03	योग	80
15	03	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	04	अंकों में	शब्दों में
17	04	80	अस्सी
18	04		

परीक्षक के हस्ताक्षर [signature] संकेतांक 6 1 4 1 7

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड अ

1. (i) ब) पाषाणी ।

(ii) द) बुद्धिमती ।

(iii) स) रामः ।

(iv) अ) कृषकः ।

(v) स) आलस्यम् ।

(vi) अ) महाविद्यालये ।

(vii) द) भूकम्पस्य ।

(viii) ब) प्रकृतिरेव ।

(ix) अ) कुर्वन्नासीत् ।

(x) स) योजकस्तत्र ।

(xi) ~~ब)~~ ~~ज~~ द) जगत् + ईशः ।

(xii) अ) द्वितीया ।

BSER 180/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(xiii)	ब) चतुर्थी ।
	(xiv)	द) अनु ।
	(xv)	~~ब)~~ निः + सरन्ती द) निस् + सरन्ती ।
	(xvi)	द) लिखति ।
	(xvii)	स) रुद् - धातुः ।
17		
	2·(i)	हसन् ।
	(ii)	कृतज्ञता ।
	(iii)	युक्ता ।
	(iv)	पादध्वनिना ।
	(v)	पुष्पेषु ।
5		

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	3(क) (i)	महाराणा-उदयसिंह: ।
1	(ii)	चेतक: ।
2	(ख) (i)	महाराणाप्रतापस्य जन्म 1540 ख्रीस्ताब्दस्य मईमासस्य नवमदिनांके अभूत् ।
1	(ग)	वीर: महाराणाप्रताप: ।
1	(घ) (i)	गज: ।
1	(ii)	~~अश्व: ? गज:~~ ।
1	(iii)	गज: ।
8		

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - ब

4. ~~द्वितीया~~ तृतीया विभक्तिः 'अलम्' योगे ।
सूत्र - 'निषेधार्थके' ।

(2)

5. (अ) 105 = पञ्चाधिकशतम्

(ब) 150 = पञ्चाशदधिकशतम्

(2)

6. कासाम् माता सुरभिः आसीत् ?

(2)

8. अन्वयः -
एकेन राजहंसेन सरसः या शोभा भवेत्,
परितः तीरवासिना बकसहस्रेण सा (शोभा) न (भवति)।।

(2)

9. प्रथम श्लोकः- आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति ॥

द्वितीय श्लोकः- अमन्त्रमक्षरं नास्ति, नास्ति मूलमनौषधम् ।
अयोग्यः पुरुषः नास्ति, योजकस्तत्र दुर्लभः।।

(2)

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

7

संदर्भ - प्रस्तुत ~~श्लोक~~ पद्यांश हमारी संस्कृतपाठ्यपुस्तक "शेमुषी द्वितीयोभाग:" के पाठ 5 'सुभाषितानि' से लिया गया है।

प्रसंग - प्रस्तुत पद्यांश में यह सिद्ध करते हुए कि इस संसार मे सभी का अपना-अपना महत्त्व व कुछ भी निरर्थक नहीं है कहा गया है कि -

भावार्थ - निश्चित रूप से इस विचित्र संसार में कुछ भी निरर्थक नहीं है। यदि घोडा दौडने में वीर है तो गधा भी भार को ढोने में वीर है। कहने का आशय है कि संसार में यथासामर्थ्य सबका अपना अपना महत्त्व है व कोई भी महत्त्वहीन नहीं है।

(2)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

10. भूकम्पविभीषिका

पाठ का सार – प्रस्तुत पाठ में भूकम्प की भयानकता का वर्णन करते हुए बताया गया है कि जब सन् 2001 में समस्त भारत गणतंत्र दिवस के पर्व पर गाने-बजाने में मग्न था तब गुजरात चारों ओर से व्याकुल व विपत्तिग्रस्त हो गया। भूकम्प का केन्द्रबिंदु भुजनगर तो मिट्टी के खिलौने के समान खण्ड खण्ड हो गया। बिजलियों के खंबे टूट गए। सीढ़ियाँ उखड़ गई। बहुमंजिले मकान धराशायी हो गए। मकानों में फँसे लोग करुण-क्रंदन कर रहे थे। दुर्बल कण्ठ वाले शिशुओं ने तो ईश्वर की कृपा से दो-तीन दिन जीवन धारण किया। सन् 2005 में कश्मीर व पाकिस्तान में भी भूकम्प आया था। 'धरती क्यों काँपती है' इस विषय में विशेषज्ञ कहते हैं कि जब भू गर्भ में स्थित बड़ी शिलाएँ परस्पर घर्षण के कारण टूटती है, इससे भयानक कंपन उत्पन्न होता है जो धरातल पर भूकम्प का रूप ले लेता है। धरती के अंदर स्थित अग्नि वहाँ शिलाओं, खनिज, मिट्टी आदि के संचय को उबालती है जो लावारस के रूप में पहाड़ों अथवा भूमि से निकलता है। जब 800 डिग्री सेलसियस तापमान को पहुँचा हुआ यह लावारस नदी के वेग से बहता है, पास स्थित गाँव व नगर इसमें समा जाते हैं। विवश प्राणी मारे जाते हैं। विज्ञान पर गर्व करने वाला मानव आज भी प्रकृति के समक्ष बौना ही है। यद्यपि भूकंप ईश्वरीय प्रकोप है जिसे रोकना का स्थिर उपाय नजर नहीं आता। विशेषज्ञों के अनुसार बहुमंजिले मकान नहीं बनाने चाहिए व तटबन्ध में एकसाथ अधिक मात्रा में जल संग्रहित नहीं करना चाहिए। वास्तव में पञ्चतत्त्व धरती, जल, अग्नि, आकाश व वायु शांत रूप में ही पृथ्वी के योग व क्षेम के लिए कार्य करते हैं। अशान्त होने पर वे निश्चय ही महा विनाश उत्पन्न करते हैं।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

11. क) क्षेत्रकर्षणम्।

ख) वृषभः हलमूढ्वा गन्तुमशक्तः क्षेत्रे पपात।

ग) (i) कश्चित्।

(ii) अकरोत्।

12. क) महावृक्षः।

(ख) अस्माभिः ~~फलच्छायासमन्वि~~ फलच्छायासमन्वितः वृक्षः सेवितव्यः।

ग) (i) फलच्छायासमन्वितः।

(ii) अस्ति।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	13 (क)	काकः।
2	(ख)	काकः वातावरणं कर्कशध्वनिना आकुलीकरोति।
1	(ग) (i)	जल्पसि।
1	(ii)	कृष्णः।
5		
1	14 (क)	चतुर्युगम्।
1	(ख)	माता च पिता च।
1	(ग)	~~शक्तिम् अनतिक्रम्य~~ अव्ययीभाव समासः।
3		
1	15 (क)	तथा।
1	(ख)	तर्हि।
1	(ग)	यावत्।
3		

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - द

16. प्रार्थना-पत्रम्

सेवायाम्
नगरपालिकाध्यक्षः
नगरपालिका
जयपुरम्

विषयः - नगरस्थ उद्याने स्वच्छता-बालक्रीडायाः साधनानि इति कृते।

महोदय!
निवेदनम् अस्ति यत् अस्माकं नगरस्य उद्यानस्य परिक्षेत्रे स्वच्छता नास्ति। तत्र बालक्रीडार्थं क्रीडकानि अपि न सन्ति। क्रीडां विना अस्माकं मनांसि न रमन्ते। अतः कृपया स्वच्छतायाः समुचित-व्यवस्थायै कर्मकरान् आदिशन्तु।

सधन्यवादम्

(4)

प्रार्थी
भवदीयः
बी - 3/76
पुष्पविहारम्
जयनगरम्

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

17. पिता - गोपेश ! तव अध्ययनं कथं प्रचलति ?
गोपेशः - हे पितः ! अध्ययनं तु समीचीनं प्रचलति।
पिता - कोऽपि विषयः एतादृशः अस्ति यस्मिन् त्वं काठिन्यम् अनुभवसि।
गोपेशः - आम् ! अंग्रेजी-विषये मम स्थितिः सम्यक् नास्ति। यतोहि अस्माकं विद्यालये अंग्रेजी विषयस्य अध्यापकः नास्ति।
पिता - त्वं पूर्वं तु माम् अस्मिन् विषये न उक्तवान्।
गोपेशः - पूर्वं तु अध्यापकः आसीत् परं अधुना तस्य स्थानान्तरणम् अन्यत्र अभवत्।
पिता - अस्तु। अहं तव कृते अध्यापकस्य व्यवस्थां करिष्यामि।

(4)

18. (ii) नृपः भिक्षुकेभ्यः भोजनं ददाति। 1

(iii) मयूरः नृत्यति। 1

(iv) वयं रामायणं पठिष्यामः। 1

(v) अयोध्यायाः नृपः दशरथः आसीत्। 1

(4)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

19. i) एकदा कश्चित् कुक्कुरः एकां रोटिकां प्राप्नोत्।

ii) सः रोटिकां मुखे गृहीत्वा गच्छन् आसीत्।

iii) तदा सः नदीजले स्वप्रतिबिम्बम् अपश्यत्।

iv) स्वप्रतिबिम्बम् अन्यं कुक्कुरं मत्वा सः तस्य रोटिकां प्राप्तुम् अचिन्तयत्।

v) सः कुक्कुरः रोटिकां प्राप्तुं तेन सह युद्धार्थं मुखम् उद्घाटयति।

vi) तदा तस्य मुखात् रोटिका अपि जले पतति।

(3)

समाप्त

2/6 20/4/25

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18U/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 180/2025